

## बाघों के वचिरण लयि पर्यावरण अनुकूल पुल

### संदर्भ

तेलंगाना में 72 कलिमीटर लंबे एक नहर के ऊपर अपनी तरह का पहला पर्यावरण के अनुकूल हरे-भरे पुलों का नरिमाण कयि जाएगा । इससे इस क्षेत्र के वनों में रहने वाले बाघों को वचिरण करने में सुवधि होगी ।

### परमुख बदि

- ये पुल महाराष्ट्र के चंद्रपुर ज़िले में तडोबा-अँधेरी बाघ आरक्षति तथा तेलंगाना के कुमरम भीम असीफाबाद ज़िले में बेज्जुर और दहेगाँव मंडल में प्राणहति बैराज के दाहनी ओर की नहर में बनेंगे ।
- इस संरचना के ऊपर घास और पौधों को वकिसति करने के लयि उपजाऊ मट्टि बछाई जाएगी, जसिसे कविह वन क्षेत्र के ही हसिसे की तरह लगे ।
- इस तरह की संरचना के नरिमाण का वचिर भारतीय वन्य जीव बोर्ड एवं भारतीय वन्य जीव संस्थान के वशिषज्जों द्वारा उस इलाके के नरिक्षण के बाद आया, जो इस 72 कलिमीटर गलियारे के कनारे प्राचीन जंगलों के बड़े पैमाने पर वनिाश के बारे में चतिति थे ।
- बेज्जुर के वन क्षेत्र में एक स्थान पर यह नहर एक कलिमीटर चौड़ी है और यहाँ वन्य जीवों के आवागमन को बनाए रखना ज़रूरी है । तेलंगाना सचिाई वभिाग ने इन पर्यावरण अनुकूल पुलों के नरिमाण के लयि अपनी सहमति दी है ।
- राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड से पुलों के आकार और स्थानों की सफिराशियों की प्रतीक्षा की जा रही है ।

### वन्य जीव

- वन और वन्य जीवों को संवधिान की समवर्ती सूची में रखा गया है ।
- भारतीय वन्य जीव (संरक्षण) अधनियिम, 1972 में बनाया गया थ । यह अधनियिम वन्य जीवों एवं पौधों को संरक्षण प्रदान करता है । यह जम्मू और कश्मीर को छोड़कर, जसिका अपना ही वन्य जीव कानून है, पूरे भारत में लागू होता है ।
- भारतीय वन्य जीव संस्थान की स्थापना 1982 में की गई थी ।